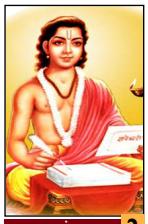

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

DAVP CODE-134222

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 03 | अंक: 22 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शनिवार 22 फरवरी, 2025 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

राजस्थान बजट 2025-26: हर वर्ग को छूने वाला बजट

मुफ्त बिजली के साथ किसानों और युवाओं के लिए किए कई बड़े ऐलान

बजट भाषण में दीया कुमारी का शायराना अंदाज: कहा-

सबकी फिक्र में खुद को मैं मिटाती हूं,
हर वादा अपना दिल से निभाती हूं।

- 1.25 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी
- 150 यूनिट बिजली फ्री
- पीएम सम्मान निधि 9 हजार रुपए

जयपुर (संस्कार सृजन)।

राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने भजनलाल सरकार दूसरा पूर्ण बजट पेश किया। करीब 138 मिनट के बजट भाषण में दीया कुमारी की सबसे बड़ी घोषणा युवाओं के लिए रही। सरकार अगले एक साल में सवा लाख भर्ती करेगी। प्राइवेट सेक्टर में भी डेढ़ लाख नौकरियां दिलवाई जाएंगी। फाइनेंस मिनिस्टर ने बिजली के बिल में भी राहत देने की कोशिश की है, लेकिन 150 यूनिट फ्री वाली घोषणा में सरकार ने कंडीशन लगा दी है। सरकार 5 लाख नए घरेलू बिजली कनेक्शन और 5 हजार नए कृषि कनेक्शन भी देगी। 20 लाख घरों में नल कनेक्शन दिया जाएगा। वहीं, जलदाय विभाग में 1050 नए टेक्निकल पदों पर भी भर्ती की जाएगी। राजस्थान में अब पत्नी के साथ खरीदी गई 50 लाख तक की प्रॉपर्टी सस्ती होगी। सरकार ने बजट में स्टांप ड्यूटी में आधा प्रतिशत छूट की घोषणा की है। 138 मिनट के भाषण में दीया कुमारी ने राजस्थान का 3 लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को 2030 तक 30 लाख करोड़ की इकोनॉमी बनाना है।

प्रमुख योजनाएं

- ग्रीन बजट:- ग्राम पंचायतों में स्टील बर्तन बैंक बनेंगे।
- पशुपालन:- एक हजार वेटनरी इंस्पेक्टर की भर्ती होगी।
- सहकारिता:- किसानों को मिलेगा 25 हजार करोड़ का लोन।
- किसान:- तारबंदी के लिए अनुदान, बोनस भी मिलेगा।
- सुशासन:- प्रत्येक विधानसभा में बनेगा जनसुनवाई केंद्र।
- कानून व्यवस्था:- साइबर कंट्रोल में खर्च होंगे 350 करोड़।
- सामाजिक सुरक्षा:- घुमंतू परिवारों को मिलेंगे पट्टे।
- सड़क सुरक्षा:- ट्रॉमा सेंटर का अपग्रेडेशन होगा।
- स्वास्थ्य:- 3500 करोड़ की लागत से बनेगा मां फंड।
- स्टार्टअप:- 50 हजार युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण।
- पर्यटन:- टूरिज्म डेवलपमेंट के लिए 975 करोड़ खर्च होंगे।
- औद्योगिक विकास:- इंवेस्टमेंट की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम।
- शहरी विकास:- 2 लाख नए पट्टे दिए जाएंगे।
- इंफ्रास्ट्रक्चर:- जयपुर में मेट्रो के नए फेज की घोषणा।
- सड़क:- 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे बनेंगे।
- नए बिजली कनेक्शन का ऐलान।
- 2 लाख घरों को नए पानी कनेक्शन से जोड़ा जाएगा।

जयपुर के जगतपुरा, वैशाली नगर में मेट्रो चलाने की योजना

गोविंददेव जी मंदिर में पूरे साल कार्यक्रम होंगे; सरकार ने 50 करोड़ रुपए का किया प्रावधान

जगतपुरा, वैशाली नगर में मेट्रो के लिए सर्वे होगा

साथ ही उन्होंने जगतपुरा, वैशाली नगर के एरिया में मेट्रो चलाने के संबंध में सर्वे करवाने की भी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने अनुपयोगी बीआरटीएस कॉरिडोर को भी हटाए जाने की घोषणा की।

बुजुर्गों को होने वाली बीमारियों के इलाज पर रिसर्च होगी

बुजुर्ग अवस्था में होने वाली बीमारियों के इलाज, ट्रेनिंग और रिसर्च के लिए एक इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी। जो आरयूएचएस को अपग्रेड करके बनाए जाने वाले रिम्स के अधीन होगा। वर्तमान में जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जिरियाट्रिक मेडिसिन वार्ड संचालित है।

फ्लैट की आवासीय योजना लाई जाएगी

- जयपुर के प्रताप नगर में 400 फ्लैट की आवासीय योजना लाई जाएगी।
- जयपुर के इंदिरा गांधी नगर में 144 और मानसरोवर में 160 फ्लैट की योजनाएं लाई जाएगी।
- जयपुर के स्वर्ण जयंती पार्क विद्याधर नगर को ऑक्सीजन जोन के रूप में विकसित किया जाएगा।

राज्य का पहला ग्रीन बजट

शर्मा ने कहा कि राजस्थान भी अब ग्रीन बजट पेश करने वाले देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है। सस्टेनेबल ग्रीन प्रणाली को प्रोत्साहित करने, क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने, बायोडायवर्सिटी, वाटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन एनर्जी, रिसाइक्लिंग आदि को प्रोत्साहित करने के लिए कुल राज्य बजट की 11.34 प्रतिशत राशि का प्रावधान ग्रीन बजट के लिए किया गया है।

बुनकर सेवा केंद्र द्वारा विशेष हथकरघा एक्सपो-त्योहार की हुई शुरुआत

जयपुर (संस्कार सृजन)। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बुनकर सेवा केंद्र, जयपुर द्वारा विशेष हथकरघा एक्सपो-त्योहार का आयोजन 20 फरवरी 2025 से 24 फरवरी, 2025 तक बिरला ऑडिटोरियम, जयपुर में किया जा रहा है । इस आयोजन का उद्घाटन आज मुख्य अतिथि सांसद जयपुर मंजू शर्मा, और विशिष्ट अतिथि पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला, बुनकर सेवा केंद्र जयपुर की उप निदेशक, रुचि यादव द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सांसद जयपुर मंजू शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम देशभर के बुनकरों और कारीगरों और शिल्पकला प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन अवसर होगा, जहाँ वे पारंपरिक हथकरघा उत्पादों से परिचित हो सकेंगे और उनका अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इस एक्सपो को हथकरघा और खादी के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगाया गया है। देश के विभिन्न क्षेत्रों के बुनकरों और कारीगरों ने अपनी प्रतिभा और उत्पादों का प्रदर्शन बेहतरीन तरीके से किया है।

पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने कहा कि हथकरघा एक्स्पो से बुनकरों को अपने उत्पादों को जन जन तक पहुँचाने का अवसर मिलता है। सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ बुनकरों को मिले इसके लिए ऐसे एक्स्पो अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते

हैं। बुनकर सेवा केंद्र जयपुर की उप निदेशक, रुचि यादव ने बताया गया कि एक्सपो में देशभर के बुनकर अपने राज्य के विशिष्ट हैंडलूम उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शित उत्पादों में चँदेरी, माहेश्वरी, जामदानी, पैठणी, टसर सिल्क साड़ी, ऊनी शॉल्स, मंगलगिरी हैंडलूम साड़ी, वेंकटगिरी कॉटन साड़ी, उप्पाडा, बनारसी, काँचीपुरम, जामदानी, हाथ से कढ़ाई की एप्पलीक, कोटा डोरिया, आँवा, अजरख ब्लॉक प्रिंट आदि शामिल होंगे । एक्स्पो का समय प्रात: 11:30 से रात्रि 08:30 बजे तक रहेगा, जिससे दर्शकों को हथकरघा के उत्पादों का खरीदने लेने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर सहायक निदेशक दिनेश कुमार शर्मा व अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने पौधे उपहार में भेंट कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

देहरादून (संस्कार सृजन)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद देहरादून में आयोजित उल्लास नव भारत साक्षरता के दो दिवसीय सेमिनार का समापन हुआ ।

कार्यशाला में पंहुचे राजकीय इण्टर कॉलेज मरोड़ा, सकलाना टिहरी गढ़वाल से पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत, निदेशक एससीईआरटी बंदना गबर्याल, दिल्ली एनसीईआरटी से प्रो.उषा शर्मा, निपा दिल्ली से डॉ. शांतुना मिश्रा, अपर निदेशक एससीईआरटी प्रदीप रावत को पौधा उपहार में भेंटकर पर्यावरण संरक्षण व पौधारोपण का संदेश दिया।

गौरतलब है कि डॉ. सोनी जहां भी जाते हैं फूलों के गुलदस्ते के बजाय पौधे उपहार में देते हैं। उनका कहना है कि पौधों की हिफाजत तभी होगी जब हम पौधों को भावनाओं से जोड़कर लगाएंगे। इस दौरान डॉ. कृष्णानंद बिजल्वाण सहायक निदेशक एससीईआरटी, मदन मोहन सेमवाल, ओमप्रकाश सकलानी, पुष्पा पठोई, सुमन बिष्ट, अन्नपूर्णा सिंह आदि उपस्थित रहे ।

संपादकीय

हिंदू एकता से ही विश्वगुरू बनेंगे

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का ''जिम्मेदार'' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड्यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समृद्ध परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सर्वेषां अविरोधेन् है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है।भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम 'हिंदुत्व' है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है। भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया- यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिये हिन्दू समाज की एकता जरूरी है। हिन्दू एकता भारत की आत्मा को जाग्रत करेगी। भारत का स्वाभिमान, आध्यात्मिकता और ऋषियों का ज्ञान वापस आयेगा। परिणामस्वरूप देश से भ्रष्टाचार, हिंसा और अनैतिकता दूर होने के रास्ते खुलेंगे। भारत पुनः जगद्गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक बनेगा। हमारे शत्रु भी हमसे मित्रता करने के लिए हाथ बढ़ायेंगे। इन सब स्थितियों को देखते हुए हिन्दू एकता एवं उसको संगठित करना जरूरी है, इसके लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास एक रोशनी है।

माता शबरी की कहानी, जिनके जूठे बेर भगवान राम ने खाए

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार त्रेता युग में फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को भगवान राम की शबरी से भेंट हुई थी। इस दिन राम ने शबरी के जूठे बेर खाए थे। एक अन्य मान्यता के अनुसार इस दिन माता शबरी को मोक्ष मिला था। लोकमानस में शबरी से जुड़ी एक लोक कथा अत्यंत प्रचलित है। कहते हैं कि जब राम, भक्ति में डूबी शबरी के जूठे बेर खा रहे थे तो बीच-बीच में वे लक्ष्मण को भी बेर खाने को दे रहे थे। लेकिन लक्ष्मण ने राम द्वारा दिए गए शबरी के जूठे बेर नहीं खाए और फेंक दिए। जब राम ने यह देखा तो उन्हें यह भक्त शबरी का अपमान लगा। उन्होंने लक्ष्मण से कहा कि जिस शबरी की भक्ति का अनादर करते हुए, वह बेर फेंक रहे हैं, वही बेर एक दिन संकट के समय उनके प्राणों की रक्षा करेंगे। राम-रावण युद्ध के समय जब लक्ष्मण मेघनाद की शक्ति से मूर्छित हुए थे, तब इन्हीं बेरों ने मृत संजीवनी के रूप में लक्ष्मण को पुनर्जीवन दिया था। एक अन्य मान्यता के अनुसार इस दिन माता शबरी को मोक्ष मिला था। इसके पीछे यही भाव है कि बरसों की प्रतीक्षा के बाद जब उनका भगवान से मिलन हुआ तो इस मिलन के बाद उन्हें मुक्ति मिल गई, क्योंकि ईश्वर से मिलने के बाद कोई इच्छा या कामना शेष नहीं रहती। सभी प्रकार की कामनाओं की समाप्ति ही मुक्ति है। यहां तो शबरी की सिर्फ एक ही कामना थी, प्रभु राम से मिलने की। ऐसा माना जाता है कि आज के गुजरात के डांग जिले के सुबीर गांव में प्रभु राम और शबरी की भेंट हुई थी। इस स्थान पर इनकी स्मृति में शबरीधाम मंदिर है, जिसे देखने हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ऐसा कहा जाता है कि शबरी का नाम 'श्रमणा' था। इनका संबंध भील समुदाय की शबर जाति से था। इनके पिता का नाम अज और मां का नाम इंदुमति था। इनके पिता भीलों के मुखिया थे। इनके पिता ने इनका विवाह एक भील कुमार से तय कर दिया। उस समय विवाह के अवसर पर जानवरों की बलि देने की प्रथा थी। इस प्रथा का भील कुमारी शबरी ने विरोध किया और इस प्रथा को समाप्त करने के उद्देश्य से उन्होंने विवाह नहीं किया। इस घटना के पश्चात वे वन में जाकर मतंग ऋषि के आश्रम में रहने लगीं। उनके सेवा भाव से प्रसन्न होकर मतंग ऋषि ने कहा कि एक दिन भगवान राम स्वयं तुम्हारे पास आएंगे और तुम्हारा उद्धार करेंगे।

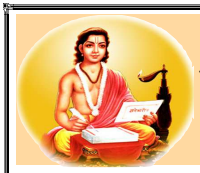

अमूल्य ज्ञान का बोध

❋ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

❋ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

❋ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

❋ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1l.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

❋ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

❋ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

❋ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

❋ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

❋ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

❋ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

महाशिवरात्रि पर कैसे करें भगवान शिव का जलाभिषेक?

धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि व्रत करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। शिव पुराण के अनुसार, मात्र शिवलिंग पर जल अर्पित करने से भगवान शिव को प्रसन्न किया जा सकता है।

इस महीने के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महाशिवरात्रि व्रत पड़ रहा है। इस साल महाशिवरात्रि व्रत बुधवार को पड़ रहा है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि व्रत करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव व मां पार्वती का विवाह हुआ था।

भगवान शिव को जल कैसे चढ़ाएं

भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए तांबे, चांदी या कांच का लोटा लें। शिवलिंग पर जलाभिषेक हमेशा उत्तर की दिशा में करना चाहिए। उत्तर की दिशा शिव जी का बाया अंग मानी जाती है, जो पार्वती माता को समर्पित है।

सबसे पहले शिवलिंग के जलाधारी के दाएं दिशा में जल चढ़ाना चाहिए, जहां गणेश जी का वास माना जाता है। अब शिवलिंग के जलाधारी के बाएं दिशा में जल चढ़ाएं, जो भगवान कार्तिकेय की जगह मानी गई है। इसके बाद शिवलिंग के जलाधारी के बीचो-बीच जल चढ़ाना चाहिए, जो भोलेनाथ की पुत्री अशोक सुंदरी को समर्पित है। अब शिवलिंग के चारों ओर जल चढ़ाएं, जो माता पार्वती की जगह मानी जाती है। आखिर में शिवलिंग के ऊपरी भाग में जल चढ़ाएं। कब और कैसे किया जाता है महाशिवरात्रि व्रत का पारण जानें विधि

जानें कब और कैसे किया जाता है व्रत का पारण-शिव भक्तों को महाशिवरात्रि पर्व का बेसब्री से इंतजार है। इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 को है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल फाल्गुन मास की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है।

इस दिन भक्त भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन शिव पूजन करने व व्रत रखने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति आने की मान्यता है। शादी-विवाह में आने वाली बाधाएं भी दूर होती हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के पश्चात करना शुभ होता है।

धन प्राप्ति होने से पहले मिलते हैं ये विशेष संकेत, माता लक्ष्मी की कृपा बरसते ही शुरू हो जाते हैं अच्छे दिन

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ ऐसे संकेत होते हैं, जिन्हें जीवन की सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। ये संकेत बताते हैं कि आपको जीवन में धन प्राप्ति होने वाली है। यह संकेत आपकी सुख-समृद्धि के भी प्रतीक होते हैं। जैसे किसी गाय को रोटी खाते हुए देखना भी शुभ माना जाता है। विशेषकर सुबह-सुबह गाय को रोटी खाते देखना जीवन के दुख भरे या कष्टकारी दिन खत्म होने का संकेत माना जाता है। इसके अलावा भी और भी ऐसे विशेष संकेत हैं, जिन्हें धन प्राप्ति से जोड़कर देखा जाता है। आइए, जानते हैं लक्ष्मी प्राप्ति के विशेष संकेत।

भृकुटी या बाजू के बीच का हिस्सा फड़कना- ज्योतिष शास्त्र में इस संकेत को भी धन प्राप्ति से जोड़कर देखा जाता है। खासकर अगर सुबह उठते ही या शाम के समय आपकी भृकुटी यानी भौंह, (आख के ऊपर की हड्डी पर के बाल) फड़कते हुए महसूस होते हैं, तो समझ जाएं कि आप पर माता लक्ष्मी की कृपा होने वाली है।

सपने में कमल का फूल दिखना- स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर सपने का कोई न कोई अर्थ जरूर होता है इसलिए सपने में कमल का फूल दिखना भी भाग्योदय का संकेत है। माता लक्ष्मी कमल के फूल में विराजमान होती हैं। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने लिए उन्हें कमल का फूल अर्पित किया जाता है इसलिए अगर

आपको सपने में कमल का फूल दिखाई दे, तो समझ लें कि आपको भविष्य में धन प्राप्ति होने वाली है।

घर में तोते का आना-तोते को धन के देवता कुबेर से जोड़कर देखा जाता है। वहीं, तोते का संबंध माता लक्ष्मी से भी माना जाता है।

ऐसे में अगर आपके घर में तोता आए, तो आपको खुद को सौभाग्यशाली समझना चाहिए क्योंकि तोता इस बात का सूचक है कि आपके घर से आर्थिक तंगी दूर होने वाली है और लक्ष्मी माता की कृपा आप पर बरसने वाली है।

घर में उल्लू का आना या नजर आना-उल्लू माता लक्ष्मी का वाहन होता है इसलिए ऐसा माना जाता है कि अगर आपके घर में उल्लू आता है या फिर आप उल्लू को कहीं पर बैठा देखते हैं।, तो यह आपके लिए संकेत है कि आपके जीवन में धन संबंधी संकट का अंत होने वाला है और भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ेगी।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

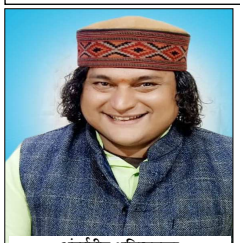

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- स्वास्थ्य अभी भी ऊपर-नीचे है। प्रेम-संतान की स्थिति बेहतर है। व्यापारिक दृष्टिकोण से शुभ समय चल रहा है। शत्रु उपद्रव करेंगे लेकिन शमन भी होगा। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। लाल वस्तु पास रखना आपके लिए शुभ होगा।

वृषभ- स्वास्थ्य अच्छा नहीं चल रहा है। आपके एकादश भाव में शुक्र व राहु का संयोग बन रहा है, जो कि सही नहीं है। प्रेम-संतान की स्थिति काफी बेहतर है। व्यापार भी अच्छा है। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। हरी वस्तु पास रखना आपके लिए शुभ रहेगा।

मिथुन- शारीरिक स्थिति पर थोड़ा ध्यान रखने की आवश्यकता है। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम है। व्यापार अच्छा है। गृहकलह के संकेत हैं। सीने में विकार संभव है। काम विघ्न-बाधा के साथ संपन्न होगा। हरी वस्तु पास रखें।

कर्क- पंच मेष और दश मेष मंगल द्वादश भाव में वक्री गति से चल रहे हैं, इसलिए आपकी सरकारी स्थिति अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहेगा। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है। लाल वस्तु पास रखें शुभ होगा।

सिंह- स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान की स्थिति काफी सुधर चुकी है। व्यापार भी अच्छा चल रहा है। जुबान पर काबू रखें । मध्य में व्यावसायिक सफलता मिलने का पूर्ण योग है। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि का संकेत है। पीली वस्तु पास रखें।

कन्या- स्वास्थ्य ठीक-ठाक। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार भी अच्छा। मध्य बेहतर हो जाएगा, लेकिन धन हानि के संकेत हैं। अंत में व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पराक्रम रंग लाएगा। शनिदेव को प्रणाम करते रहें।

तुला- स्वास्थ्य अच्छा। लेकिन थोड़ा सा नकारात्मक रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। जीवन में कई ऑप्शन बने हुए हैं। बहुत तरह के दिमाग जा रहे हैं । सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। मध्य में सितारों की तरह चमकेंगे। हरी वस्तु पास रखना आपके लिए शुभ है।

वृश्चिक- स्वास्थ्य मध्यम। धन का आगमन बढ़ रहा है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। मध्य में खर्च की अधिकता होगी। अंत में भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। पीली वस्तु पास रखें।

धनु- स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम-संतान अभी भी मध्यम है। व्यापारिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मध्य में रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। अंत में मानसिक परेशानी बनेगी। पीली वस्तु पास रखें।

मकर- स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान व व्यापार मध्यम है। मध्य में व्यावसायिक सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। राजनीतिक लाभ होगा। अंत में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

काली जी को प्रणाम करना शुभ रहेगा।

कुंभ- कुंभ राशि की स्थिति अच्छी है। सरकारी तंत्र से सुधर चुका है। बाकी स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा रहेगा। मध्य सामान्य हो जाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। कोर्ट-कचहरी में विजय के संकेत हैं। सूर्य को जल देते रहें।

मीन- स्वास्थ्य ऊपर-नीचे। प्रेम-संतान की स्थिति में उतार-चढ़ाव है। व्यापार अच्छा है। मध्य में चोट-चपेट लगने का संकेत है। अंत सामान्य हो जाएगा। भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। भगवान शिव का जलाभिषेक करना शुभ रहेगा।

भागवताचार्य ने किया जिलाध्यक्ष तिवाडी का अभिनंदन

प्रयागराज (संस्कार सृजन)। 12 सेक्टर स्थित संगम लोअर मार्ग, कुंभ मेला क्षेत्र, प्रयागराज में स्थित श्री कन्हैया धाम सेवा संस्थान के भागवत रत्न पं. सुमंत कृष्ण शास्त्री महाराज ने ब्राह्मण समाज राजस्थान के जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी को प्रयागराज पहुंचने पर दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया।

इस दौरान तिवाडी ने संगम क्षेत्र में स्नान कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हुए हवन में आहुतियां दी। जिलाध्यक्ष तिवाडी ने कहा कि सनातन धर्म की खूबसूरती का प्रतीक है महाकुंभ ।

इस अवसर पर गोपाल शर्मा,अरुण पांडे,बाबूलाल निठारवाल, सीमा देवी,राजू देवी,विशाल, विकास आदि लोग भी उपस्थित रहे।

कहानी

चार भाई और ऊँट

प्रभाती लाल सैनी

एक समय की बात है, एक गांव में चार भाई रहते थे । चारों भाई बहुत होशियार थे उनकी उम्र 15 से 20 वर्ष के बीच थी । एक बार चारों अपने मामा के घर दूसरे गाँव जा रहे थे, रास्ते में उन्हें ऊंट के पैरों के निशान दिखाई दिए। थोड़ा आगे चलने पर उन्हें एक व्यक्ति अपनी तरफ आता दिखाई दिया, जब व्यक्ति उनके पास आया तो उसने चारों भाईयों से पूछा -'मेरा ऊँट कहीं खो गया है , क्या तुम्हें ऊँट कहीं दिखलाई दिया है ?'

चारों भाई में सबसे बड़े भाई ने पूछा- क्या ऊंट का एक पैर टूटा है?

तभी दूसरा भाई बोला- क्या ऊंट की पूंछ कटी हुई है?

फिर तीसरा भाई बोला- क्या ऊंट एक आंख से काना है?

फिर चौथा भाई बोला- और उसके ऊपर गेहूं रखे हुए हैं ।

बच्चों की बात सुनकर ऊँट के मालिक को लगा की अवश्य ही इन बच्चों ने उसके ऊँट को देखा है उसने झट से बच्चों से पूछा - बच्चो! बतलाओ मेरा ऊँट कहाँ है।

तभी चारों ने उत्तर दिया- हमने ऊँट नहीं देखा।

बच्चों की बात सुनकर ऊँट का मालिक बोला- अगर तुमने ऊँट नहीं देखा है तो तुम्हें कैसे मालूम कि ऊंट लंगड़ा, काना, पूँछ कटी हुई है और उसके ऊपर अनाज रखा हुआ है ?

फिर भी चारों भाई यही बोलते रहे कि हमने तुम्हारा ऊंट नहीं देखा। ऊंट के मालिक को चारों भाईयों पर शक हुआ कि इन्हीं ने ऊंट चुराया है। ऊँट का मालिक चारों भाईयों की शिकायत लेकर राजा के पास पहुंचा और राजा से शिकायत करते हुए बोला- महाराज! मेरा ऊँट कहीं गुम गया है और इन चारों भाईयों ने मेरे ऊंट का हुलिया बतलाया है किन्तु कहते हैं कि हमने तुम्हारा ऊँट नहीं देखा। मुझे शक है कि इन चारों ने ही मेरा ऊंट चुराया है।

राजा ने चारों भाईयों से पूछा कि जब तुमने ऊंट देखा ही नहीं है तो तुम्हें ऊंट का हुलिया कैसे मालूम है? तभी सबसे बड़ा भाई बोला- महाराज ! हम जहां से जा रहे थे उस रास्ते पर ऊंट के पैरों के निशान थे, एक पैर के निशान कुछ उभरे हुए थे बाकी तीन पैरों के निशान गहरे थे इसका मतलब है कि ऊंट का एक पैर टूटा हुआ था जिसके कारण उसके उभरे हुए निशान बन रहे थे।

दूसरे भाई ने कहा - महाराज !ऊँट की पूंछ कटी हुई होने का संदेह हमें इसलिए हुआ क्योंकि जहां ऊँट के पैरों के निशान थे वहां ऊंट का गोबर बिखरा हुआ नहीं था इसका मतलब साफ था की ऊँट की पूँछ कटी हुई है इसी कारण गोबर पूँछ से नहीं टकराया और सीधा जमीन पर गिरा।

फिर राजा ने तीसरे भाई से पूछा तो उसने कहा- महाराज ! ऊंट जहां से जा रहा था वहां एक तरफ की घास तो ऊंट ने खाई थी जिसके कारण वहां घास नहीं थी और जिस तरफ ऊँट की आँख खराब थी वहां उसे दिखाई नहीं दे रहा होगा इसीलिए उस तरफ ऊंट ने घास नहीं खाई थी और वहां की घास हरी थी इसीलिए हमने अंदाज लगाया कि ऊँट काना है।

फिर चौथा भाई बोला- महाराज ! जिस रास्ते से ऊँट जा रहा था उस रास्ते पर गेहूं के दाने बिखरे हुए थे इसलिए मैंने कहा कि ऊंट के ऊपर अनाज रखा हुआ है किन्तु हमने इनका ऊँट नहीं देखा था।

चारों के उत्तर सुनकर उनकी बुद्धिमत्ता पर राजा बहुत प्रसन्न हुआ और राजा ने चारों भाईयों को अपने सलाहकार मण्डल में जगह दे दी।

मेंटल हेल्थ दुरुस्त रखने के तरीकों में से ऐसा ही एक तरीका है माइक्रो रिटायरमेंट। ऐसा तरीका जो हमारे मेंटल पीस को बनाए रखने में तो मदद तो करता ही है लेकिन साथ ही हमें काम से या इनकम से दूर भी नहीं करता और हम इसे अपनाकर और ज्यादा प्रोडक्टिव बन पाते हैं। बदलते वक्त के साथ मेंटल हेल्थ और उससे जुड़ी समस्याओं पर बात शुरू हो गई। धीरे धीरे अब ये विमर्श आम लोगों में भी बढ़ रहा है कि फिजिकल हेल्थ की ही तरह मेंटल हेल्थ पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। इसी लिए अब इसके समाधान भी खोजे जा रहे हैं। मेंटल हेल्थ दुरुस्त रखने के तरीकों में से ऐसा ही एक तरीका है माइक्रो रिटायरिंग।

जानिए क्या है माइक्रो रिटायरमेंट, जिसे मेंटल हेल्थ के लिए ज्यादातर यंग प्रोफेशनल्स ट्राई कर रहे हैं

मेंटल हेल्थ दुरुस्त रखने के तरीकों में से ऐसा ही एक तरीका है माइक्रो रिटायरमेंट। ऐसा तरीका जो हमारे मेंटल पीस को बनाए रखने में तो मदद तो करता ही है लेकिन साथ ही हमें काम से या इनकम से दूर भी नहीं करता और हम इसे अपनाकर और ज्यादा प्रोडक्टिव बन पाते हैं। बदलते वक्त के साथ मेंटल हेल्थ और उससे जुड़ी समस्याओं पर बात शुरू हो गई। धीरे धीरे अब ये विमर्श आम लोगों में भी बढ़ रहा है कि फिजिकल हेल्थ की ही तरह मेंटल हेल्थ पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। इसी लिए अब इसके समाधान भी खोजे जा रहे हैं। मेंटल हेल्थ दुरुस्त रखने के तरीकों में से ऐसा ही एक तरीका है माइक्रो रिटायरिंग। ऐसा तरीका जो हमारे मेंटल पीस को बनाए रखने में तो मदद तो करता ही है लेकिन साथ ही हमें काम से या इनकम से दूर भी नहीं करता और हम इसे अपनाकर और ज्यादा प्रोडक्टिव बन पाते हैं। आज हम एक्सपर्ट की मदद से इसी तरीके पर बात करने वाले हैं।

माइक्रो रिटायरमेंट क्या है? आम भाषा में कहें तो माइक्रो रिटायरमेंट का मतलब है, काम करते हुए छोटे-छोटे समय के लिए ब्रेक लेना, ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा रहें। यह एक लंबी रिटायरमेंट के बजाय, जीवन के बीच-बीच में छोटी-छोटी छुट्टियाँ लेने का तरीका है। यह कोई ऐतिहासिक या परंपरागत तरीका नहीं है बल्कि एक नया तरीका है, जो आजकल के कामकाजी लोगों के बीच ट्रेंड बन गया है। दिल्ली बेस्ड मेंटल हेल्थ काउन्सलर निकिता देशमुख के अनुसार माइक्रो रिटायरमेंटके दौरान कोई भी व्यक्ति अपनी नौकरी या रोज की जिम्मेदारियों से कुछ समय के लिए दूर जाता है। लेकिन यह रिटायरमेंट पर पूरी तरह से नहीं जाता, बल्कि ये छोटे अंतराल होते हैं जैसे कि 2-3 महीने का समय, जिसमें आप अपने शौक पूरे करते हैं, ट्रेवल करते हैं या खुद के लिए समय निकालते हैं।

क्या जिंदगी थी

कुछ जमीं, कुछ आसमां
कुछ मुस्कुराहटें और कुछ सामां
कुछेक सिक्के, कुछ घूंट आब
क्या जिंदगी थी जनाब !
खुशियों की दस्तक की दरकार
नासमझ से कुछेक यार
बेर पर लदे फल
उनपर फेंकते कत्तल
निशाना सर्वथा चूक
कोशिशें बेहिसाब
क्या जिंदगी थी जनाब !
श्यामपट से दुद्धि निहारे
जीभ मसलपट्टी पुकारे
आँखे परिक्रमित सी रहतीं
छन से कई भाषाएं कहतीं
सहसा घमक्का परोसते मास्साब
क्या जिंदगी थी जनाब !
आम के टीकोरे न बचते
भीग जाते बल खरचते
नाक में भीनी सी खुशबू
फूल तोड़ने की आदत सी आरजू
जेब में गेंदा,गठुअन औ गुलाब
क्या जिंदगी थी जनाब !

सिद्धार्थ गोरखपुरी

खादी इंडिया: खादी के कपड़ों में किया बैली डांस और रैंप वॉक

जबलपुर (संस्कार सृजन)। खादी को आम आदमी के जीवन में फिर से स्थापित करने के लिए जबलपुर की एक संस्था ने खादी से जुड़े आयोजन किये। इसमें खादी से जुड़े हुए कपड़ों का बाजार लगाया गया। खादी से बने कपड़ों के फैशन शो का आयोजन भी किया गया। इसके साथ ही खादी पहनकर डांसर ने डांस प्रस्तुत भी किया। खादी के कपड़ों के साथ ही खादी से बने आभूषण भी पेश किए गए, जो लोगों के लिए काफी नए थे। देशभर में कई सामाजिक संस्थाएं खादी को दोबारा समाज में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। जबलपुर की भी एक संस्था ने ऐसा ही प्रयास किया है। जबलपुर में खादी के सामान बेचने के लिए मेला लगाया गया। एक ड्रेस डिजाइनर प्रिया श्रीवास्तव ने खादी से बनी हुई बेहतरीन मालाएं प्रदर्शित की। इन मालाओं का उपयोग फूलों की माला के स्थान पर भी किया जा सकता है। साथ ही यह मालाएं सजने-संवारने के लिए महिलाएं आभूषण के रूप में भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इसी आयोजन में खादी के साथ बेली डांस का फ्यूजन पेश किया गया। बेली डांसर ने खादी से बने हुए कपड़े पहनकर बेली डांस किया। बता दें बेली डांस के लिए सामान्य तौर पर सिंथेटिक फाइबर से बने हुए कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह पहला मौका होगा, जब बेली डांसर ने खादी पहन कर डांस किया। इसके अलावा जबलपुर में खादी से जुड़ा हुआ एक फैशन शो भी किया गया। इस फैशन शो में सभी मॉडल ने खादी के ही कपड़े पहने थे। इसमें युवाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी खादी के कपड़े पहनकर फैशन शो में हिस्सा लिया।

यह आयोजन स्वयं सेवी संस्था के अलावा भारत सरकार की खादी से जुड़े हुए विभागों के माध्यम से संपन्न करवाया गया। इससे न केवल लोगों में देश प्रेम की भावना बढ़ेगी, बल्कि खादी से जुड़े हुए व्यापार में लगे हुए लोगों को रोजगार भी मिलेगा और आम लोगों को आरामदायक कपड़े का एहसास भी होगा।

स्वच्छ भारत मिशन: ग्राम पंचायत मोरीजा में हो रहा कचरा संग्रहण

चौमूं (संस्कार सृजन)। स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत ग्राम पंचायत मोरीजा द्वारा पिछले 2 वर्ष से कचरा संग्रहण के लिए ट्रैक्टर ट्रोली लगायी गयी है जिसे कर्मचारी द्वारा रोजाना गली, मोहल्लों में ले जाकर कचरा संग्रहण किया जाता है। प्रशासक मंगलचंद सैनी व ग्राम विकास अधिकारी मामराज शर्मा ने बताया कि पंचायत में सफाई की व्यवस्था के लिए एक ट्रैक्टर ट्रोली लगाई गई है तथा सफाई कर्मी भी लगाए गए हैं। ट्रैक्टर ट्रोली से घर-घर कचरा संग्रहण करेंगे। गांव की नालियों की भी सफाई लगातार की जाएगी जिससे गांव की सड़कों पर नालियों का पानी आने से गंदगी नहीं होगी। वहीं सरकारी संस्थाओं के पास में लगे गंदगी के ढेर को भी हटाकर ट्रैक्टर ट्रोली में डालकर अन्यत्र जगह डलवाया जा रहा है। वर्तमान में पुराने कचरे के ढेर को चिन्हित कर उसको हटवाने का कार्य किया जा रहा है।

द्वारकाधीश मंदिर में हुआ संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ

चौमूं (संस्कार सृजन)। शहर के राजकीय महिला महाविद्यालय मार्ग पर स्थित हंस नगर, योगी कॉलोनी में श्री द्वारकाधीश एवं मीन भगवान मंदिर परिसर में मंदिर महंत रामचरण दास महाराज ने अपनी जीवन रूपी यात्रा के 58वें साल में प्रवेश किया। श्रद्धालुओं ने माला और शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

इस उपलक्ष्य में 121 कन्याओं का पूजन कर प्रसादी खिलायी। शाम को श्री राम भक्त हनुमान सुंदरकांड परिवार चौमूं के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इस दौरान वासुदेव प्रसाद गोयल सेवानिवृत्ति प्रशासनिक अधिकारी शिक्षा विभाग, हरिनारायण जांगीड़, राम कथा वाचक महेश हवेली वाला, नगर परिषद पार्षद उषा भातरा, युवा नेता कमल भातरा, एडवोकेट कैलाश पटवारी, मुकेश सोनी, शहर के प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर के युवराज बालकिशन भातरा, अटल बिहारी पारीक, ज्योति पारीक, पुनीत गोयल, बाबूलाल रेवड वाला ,रतनलाल योगी, धोनी चोपड़ा ,बनवारी लाल योगी, सुनील बंसल ,सुनील शर्मा, गोपाल गोरा ,मुकेश योगी ,प्रेमचंद तंबोली ,रमेश चंद्र शर्मा ,बाबूलाल मिश्रा

,नवरत्न चोपड़ा ,मंजू बंसल, प्रीति मीणा ,ज्योति ,राहुल, विक्रम पवार, करण चोपड़ा, रिशिपाल योगी सहित कई लोगों ने जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।

शिक्षक नरेन्द्र शास्त्री ने की विद्यालय में स्टेशनरी वितरित

सायरा (संस्कार सृजन)। सायरा ब्लॉक में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मग्घा के शिक्षक आचार्य नरेन्द्र शास्त्री ने अपने भांजे हेमांश यादव का जन्मदिन विद्यालय परिसर में बच्चो को स्टेशनरी वितरित करके मनाया। करीब 100 विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। इस दौरान भंवरलाल घोघरा ने बताया की निश्चित रूप से इस प्रकार की पहल करने से वंचित विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा। संसाधन के अभाव में कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित न रह जाए।

इस अवसर पर नरेन्द्र शास्त्री , भंवरलाल घोघरा , करणसिंह दलावत , सुनील कुमारी , अन्नाराम हिंगड़ , गेहरीलाल मेघवाल समेत स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

IIFA अवार्ड्स : विक्रांत मैसी बेस्ट परफॉर्मेंस इन अ लीडिंग रोल मेल के लिए नामांकित

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजधानी जयपुर में आईफा 2025 का आयोजन 8-9 मार्च 2025 को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में होने जा रहा है। वहीं विक्रांत मैसी को सेक्टर 36 में उनकी भूमिका के लिए सोभा रियलिटी आईफा डिजिटल अवार्ड्स में बेस्ट परफॉर्मेंस इन अ लीडिंग रोल (मेल) के लिए नामांकित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह 2025 में आईफा के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए, सिल्वर इज द न्यू गोल्ड थीम के तहत आयोजित किया जाएगा।

सोभा रियलिटी आईफा डिजिटल अवार्ड्स 2025 जहां डिजिटल क्षेत्र का केंद्र मंच पर होना है का यह आयोजन आईफा की निरंतर बदलती और विकसित हो रही एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को मनाता है। इस अवार्ड्स इवेंट को नेक्सा द्वारा सह-प्रस्तुत किया जाएगा और यह 8 मार्च 2025 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित होगा। यह कार्यक्रम उद्योग के प्रमुख नेताओं और प्रतिभाओं का एक अद्वितीय संगम होगा।

पितृ देव लालूजी महाराज का 11वाँ वार्षिकोत्सव आज

जयपुर (संस्कार सृजन)। गोविंदगढ़ के ग्राम ढोढसर स्थित श्री पितृ देव लालूजी महाराज का 11वाँ वार्षिक उत्सव आज बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

मंदिर सेवक भगवान ने बताया कि प्रातः 10:15 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा। दोपहर 12:15 बजे से अतिथि सम्मान समारोह और दोपहर 2:15 बजे से पर प्रसादी वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन होगा। भजन संध्या स्वर्गीय कविराज भगवान सहाय सेन के सुपुत्र सुदामा सेन एंड म्यूजिक ग्रुप द्वारा आयोजित की जाएगी। मंदिर की रंग बिरंगी लाईटों और फूलों से सजावट की जाएगी।

यूईएम जयपुर का 10 वां दीक्षांत समारोह आज

जयपुर (संस्कार सृजन)। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर आज 22 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में अपना 10वां दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा। इस भव्य समारोह में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फिजियोथेरेपी और कंप्यूटर एप्लीकेशन सहित विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्य मों के 300 से अधिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा।

इस दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध लेखिका, परोपकारी और इंफोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष सुधा मूर्ति की उपस्थिति होगी। उनके साथ शिक्षा जगत, उद्योग और सरकारी क्षेत्रों से कई विशिष्ट अतिथि और प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भी स्नातक छात्रों को सम्मानित करने और उन्हें उनके पेशेवर सफर की शुरुआत करने के लिए प्रेरित करने के लिए इस अवसर पर उपस्थित होंगे। इस समारोह में उन छात्रों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए जाएंगे, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण शैक्षणिक उत्कृष्टता, समर्पण और दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। सभी स्नातक छात्रों को डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे, जो उनकी शैक्षिक और पेशेवर यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी